

Performance Monitor

संपूर्ण हिंदी यूज़र गाइड | सार्वजनिक जानकारी

Hindi explanation, metrics, examples and practical FAQ.

Practical instructions • Safe setup • Transparent capabilities

IndiaTVDNA Performance Monitor

indiatvdna.com

OCTOBER 2026

Documentation edition

01 / शुरुआत

यह प्लगइन किस काम आता है?

WordPress वेबसाइट की स्पीड को समझने के लिए आसान हिंदी मार्गदर्शिका

Performance Monitor को समझें

यह एक WordPress performance diagnostics plugin है। यह वेबसाइट धीमी होने पर संभावित कारण जैसे plugin/theme processing, database queries, scheduled jobs, server response और browser-side loading की जाँच में मदद करता है। यह Windows 10/11 पर इंस्टॉल होने वाला desktop app नहीं है।

01

Plugin और Theme

समझें कि किस component या WordPress hook के कारण अतिरिक्त execution time दिख सकता है।

02

Database Queries

धीमे database काम को पहचानें और query details को सावधानी से पढ़ें।

03

Cron और Tasks

नियत समय पर चलने वाली WordPress jobs और उनके व्यवहार की समीक्षा करें।

04

Cache और Server

कैश स्थिति, server response और configuration indicators देखें।

05

Browser Insights

ज़रूरत के अनुसार browser-side timing या opt-in diagnostics समझें।

06

Reports

किस बदलाव के बाद performance बदली, यह नोट करें और तुलना करें।

महत्वपूर्ण अंतर

WordPress.org द्वारा स्वीकृत Free v1.0.28 और बिक्री के लिए दिए जाने वाले Pro/Recovery packages अलग हो सकते हैं। किसी advanced tool का preview दिखना यह प्रमाण नहीं है कि वह tool खरीदे गए ZIP में सक्रिय है।

स्पीड रिपोर्ट कैसे पढ़ें?

हर संख्या का अर्थ तभी बनता है जब स्थिति, पेज और समय एक जैसा हो

शब्द	आसान मतलब	क्या करना चाहिए
TTFB / Server Response	सर्वर से पहला जवाब आने में लगा समय	एक ही URL को कई बार जाँचें; cache HIT/MISS लिखें।
Slow Hook	WordPress का काम/हुक जो ज़्यादा समय ले रहा हो	जुड़ा plugin और उस समय हुई गतिविधि देखें।
Slow Query	Database का अपेक्षाकृत धीमा request	संदर्भ और query type समझें; बिना backup SQL न बदलें।
Cron Event	Background scheduled work	Due, overdue और repeat behaviour देखें।
Frontend Timing	Browser में दिखाई देने वाला load behaviour	Mobile/desktop और network स्थिति अलग नोट करें।

एक सुरक्षित जाँच का उदाहरण

01

एक समस्या चुनें

उदाहरण: homepage पहली बार धीमा खुल रहा है।

02

पहले माप लें

Same page URL, same device और cache state के साथ 3 बार मापें।

03

Diagnostic देखें

सबसे लंबे hooks, queries और response stages खोजें।

04

एक बदलाव करें

एक समय में केवल एक plugin setting या configuration बदलें।

05

फिर मापें

नई measurement को पहले वाली से मिलाएँ; केवल score पर निर्णय न लें।

क्या करें और क्या न करें

Production वेबसाइट और ग्राहक डेटा की सुरक्षा पहले

करें	न करें
Backup और staging के बाद बदलाव करें।	बिना जाँच plugin disable या database edit न करें।
सिर्फ आवश्यकता पर monitoring options चालू करें।	Sensitive visitor data अनावश्यक रूप से collect न करें।
Private reports सुरक्षित रखें।	Tokens, API keys या auth cookies सार्वजनिक रूप से share न करें।
असली version और included features देखें।	Preview देखकर Pro feature की availability न मानें।
Issue का समय और URL लिखें।	एक ही समय कई settings बदलकर कारण छुपाएँ नहीं।

वेबसाइट मालिक का 10-मिनट workflow

- ☐ WordPress Dashboard और Performance Monitor खोलें।
- ☐ जिन pages पर शिकायत मिली है, उनकी सूची बनाएँ।
- ☐ Server, hooks, queries और Cron के warnings देखें।
- ☐ यदि कोई बदलाव किया है, तो Before / After metrics रिकॉर्ड करें।
- ☐ Monitoring में unnecessary collection बंद रखें; report सुरक्षित रखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

Q. क्या इस प्लगइन से Google PageSpeed 100 आएगा?

नहीं। यह diagnostic सहायता देता है, किसी speed score या ranking की गारंटी नहीं।

Q. क्या Windows 10/11 चाहिए?

नहीं। WordPress plugin के लिए WordPress website और compatible hosting चाहिए।

Q. क्या सभी Pro options Free में चलते हैं?

नहीं। कुछ Advanced Tools केवल informational previews हैं। खरीदे हुए package की actual files जाँचें।

Q. क्या database में सीधे बदलाव करने चाहिए?

पहले backup लें; production में unreviewed SQL चलाने से बचें।

Q. API key कब चाहिए?

सिर्फ उन optional बाहरी integrations के लिए जहाँ provider credentials माँगे जाएँ।

Q. कहाँ से सहायता मिलेगी?

अपने खरीद वाले स्टोर indiatvdna.com के contact/support section और दिए गए purchase record का उपयोग करें।

सारांश

Monitoring का सबसे अच्छा तरीका है: एक जैसी स्थिति में माप → संभावित कारण पहचान → सुरक्षित बदलाव → दोबारा माप।

Reference & edition note

This educational PDF follows the documented Free v1.0.28 release and earlier reported optional recovery architecture. It is not a substitute for verifying the purchased paid ZIP, license entitlement or live site compatibility. Confirm actual package contents and current support terms with indiatvdna.com.